

उत्तर प्रदेश के छह ज़िलों में खुलेंगे नए मेडिकल कॉलेज

चर्चा में क्यों?

22 सितंबर, 2022 को उत्तर प्रदेश चिकित्सा शिक्षा के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार ने वायबलटि गैप फंडिंग (VGF) स्कीम के तहत प्रदेश के छह ज़िलों में मेडिकल कॉलेज खोलने की सैद्धांतिक सहमति दी है। 'एक ज़िला एक मेडिकल कॉलेज (One District One Medical College)' कार्यक्रम के तहत यह कार्य किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- 'एक ज़िला एक मेडिकल कॉलेज' कार्यक्रम के तहत पीपीपी मोड पर महोबा, मैनपुरी, बागपत, हमीरपुर, हाथरस और कासगंज ज़िलों में मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मेडिकल कॉलेज संचालन के लिये टेंडर के माध्यम से नविशकों का चयन किया जाएगा।
- उत्तर प्रदेश में 16 ज़िलों में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज खोले जाने हैं। छह ज़िलों में मेडिकल कॉलेज खोलने में लगभग 1525 करोड़ रुपए खर्च आएगा। केंद्र सरकार इसमें 1012 करोड़ रुपए सब्सिडी देगी। एक कॉलेज को औसतन 160 करोड़ रुपए की सब्सिडी मिलेगी।
- महाराजगंज और संभल में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिये नविशकर्त्ता का चयन कर कार्य शुरू हो गया है। इसके अलावा शामली और मऊ में मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया चल रही है।
- चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि पीपीपी मॉडल पर खुलने वाले मेडिकल कॉलेजों के लिये राज्य सरकार ज़िला अस्पताल और भूमि 33 साल की लीज पर देगी। इसके बाद नविशकर्त्ता मेडिकल कॉलेज वापस कर देगा। वह राज्य सरकार की संपत्ति होगी। साथ ही स्टांप ड्यूटी में छूट और उपकरण में सब्सिडी दी जाएगी।
- आलोक कुमार ने बताया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में सरकारी और नजी मिलाकर 65 मेडिकल कॉलेज हैं। केंद्रीय संस्थानों में रायबरेली और गोरखपुर में दो एम्स, एक बीएचयू और एक अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज है।
- प्रदेश के अमेठी, औरैया, बजिनौर, बुलंदशहर, चंदौली, गोंडा, कानपुर देहात, कौशांबी, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, ललितपुर, पीलीभीत, सोनभद्र और सुल्तानपुर ज़िलों को 2022-23 तक मेडिकल कॉलेज मिलेंगे। इनका निर्माणकार्य चल रहा है।
- उल्लेखनीय है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने पछिले साल नौ ज़िलों देवरिया, एटा, फतेहपुर, गाज़ीपुर, हरदोई, जौनपुर, मरिजापुर, प्रतापगढ़, सदिधार्थनगर में मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया था।